अटल आवासीय विद्यालय

RECRUITMENT

The last date of submission of applications for the post of Teachers will be 31 Oct, 2023

2nd Floor B Block, Kisan Mandi Bhawan,
Vibhuti Khand, Gomti Nagar, Lucknow- 226010 (U.P)
Contact: 91-522-2723921,
Toll Free Number : 18001805412
Email- upbocboardlko@gmail.com, info@atalVidyalaya.org

Terms, Eligibility Criteria & Fixed Remuneration

1. All given below vacancies comes under Atal Awasiya Vidyalaya on contract basis for 01 year, Atal Awasiya Vidyalaya has all rights to minimize and maximize the duration of tenure.
2. Details of Posts, eligibility criteria and remuneration are given below:

S.No	Designation	Eligibility Criteria	Fixed Remuneration
1	**Teachers**	• **Retd.Navodaya/Sainik School** /KVS/Madhyamik/ Public Schools of U.P • Age : not more than 65 years (Preference given to the younger applicants) as on 31st Oct 2023 • Good Health condition • Desirable Add-ons (Preference will be given to the Awarded Teachers)	**INR 62,000**

(SUBJECT WISE LIST OF REQUIRED TEACHERS AS PER SCHOOL FOR FIRST YEAR)

S.No	Subjects
1	Science
2	English
3	PET Female
4	Art/Craft (TGT)
5	Music (TGT)
6	Computer/GK (TGT)

Terms & conditions for above posts :

Teachers (TGT) –

(i) Age must not be more than 65 years as on 31.10.2023 (Preference will be given to the younger applicants).

(ii) Only retired Teachers from Navoday/Sainik School/KVS/Madhyamik Shiksha Parisad/Uttar Pradesh Public Schools can apply.

(iii) Per month fixed remuneration will be INR 62,000/- (Rupees Sixty Two Thousand Only). No other perks will be given to the candidates apart from the salary.

(iv) Preference will be given to the Awarded teachers

(v) Good health Condition

Process to apply on above positions –

(i) Application will be accepted through online process only through the link available on website upbocw.in till 31.10.2023 at 11.59 pm.

(ii) Self attested document must be attached with the application wherever applicable.

(iii) Shortlisted candidates list will be uploaded on UPBOCW Board website upbocw.in

विद्यालयों हेतु चिन्हित स्थान

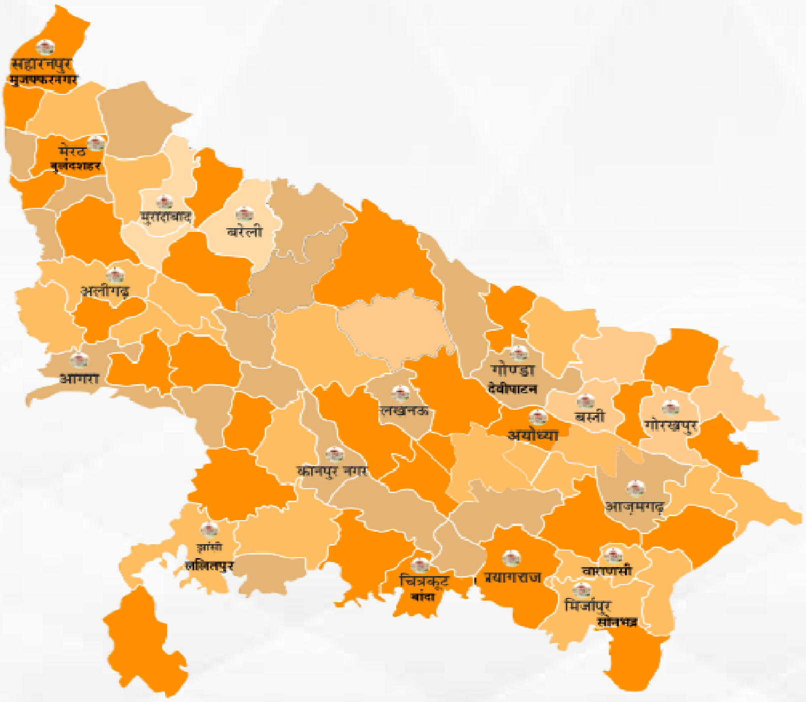

Note:

1. Atal Awasiya Vidyalaya Samiti reserve all rights to send any shortlisted candidate to any Atal Awasiya Vidyalaya in U.P.
   Schools List given below:

DIVISIONS	SCHOOL ADDRESS
AGRA	Village : Korai , Tehsil : Kirawali , District : Agra
ALIGARH	Village : Tamkoli , Tehsil : Gabhana , District : Aligarh
AYODHYA	Village : Amrai , Tehsil : Rudauli , District : Ayodhya
AZAMGARH	Village : Gambhirban , Tehsil : Sadar , District : Azamgarh
BASTI	Village : Basevrai , Tehsil : Hariya , District : Basti
BAREILLY	Village : Adhkata Nazrana , Tehsil : Nawabganj, District : Bareilly
CHITRAKOOT	Village : Achroda , Tehsil : Sadarbaanda , District : Baanda
DEVIPATNAM	Village : Siswa , Tehsil : Mankapur , District : Gonda
JHANSI	Village : Daurra , Tehsil : Lalitpur , District : Lalitpur
KANPUR	Village : Rampur Narua , Tehsil : Bilhaura, District : Kanpur
LUCKNOW	Village : Sithauli Kalan , Tehsil : Mohanlaal Ganj , District : Lucknow
MEERUT	Village : Kaundu , Tehsil : Sikandrabad , District : Bulandsahar
MIRZAPUR	Village : Kota , Tehsil : Robert Ganj , District : Sonbhadra
PRAYAGRAJ	Village : Belhat , Tehsil : Kaurwan , District : Prayagraj
GORAKHPUR	Village : Pipra , Tehsil : Sehajnawan , District : Gorakhpur
MURADABAD	Village : Peepli , Tehsil : Bilhari , District : Muradabad
SAHARANPUR	Village : Nagla Bujurg , Tehsil : Jaansath , District : Muzaffarnagar
VARANASI	Village : chaubepur , Tehsil : chaubepur , District : Varanasi

2. All further details will be uploaded on UPBOCW BOARD website upbocw.in

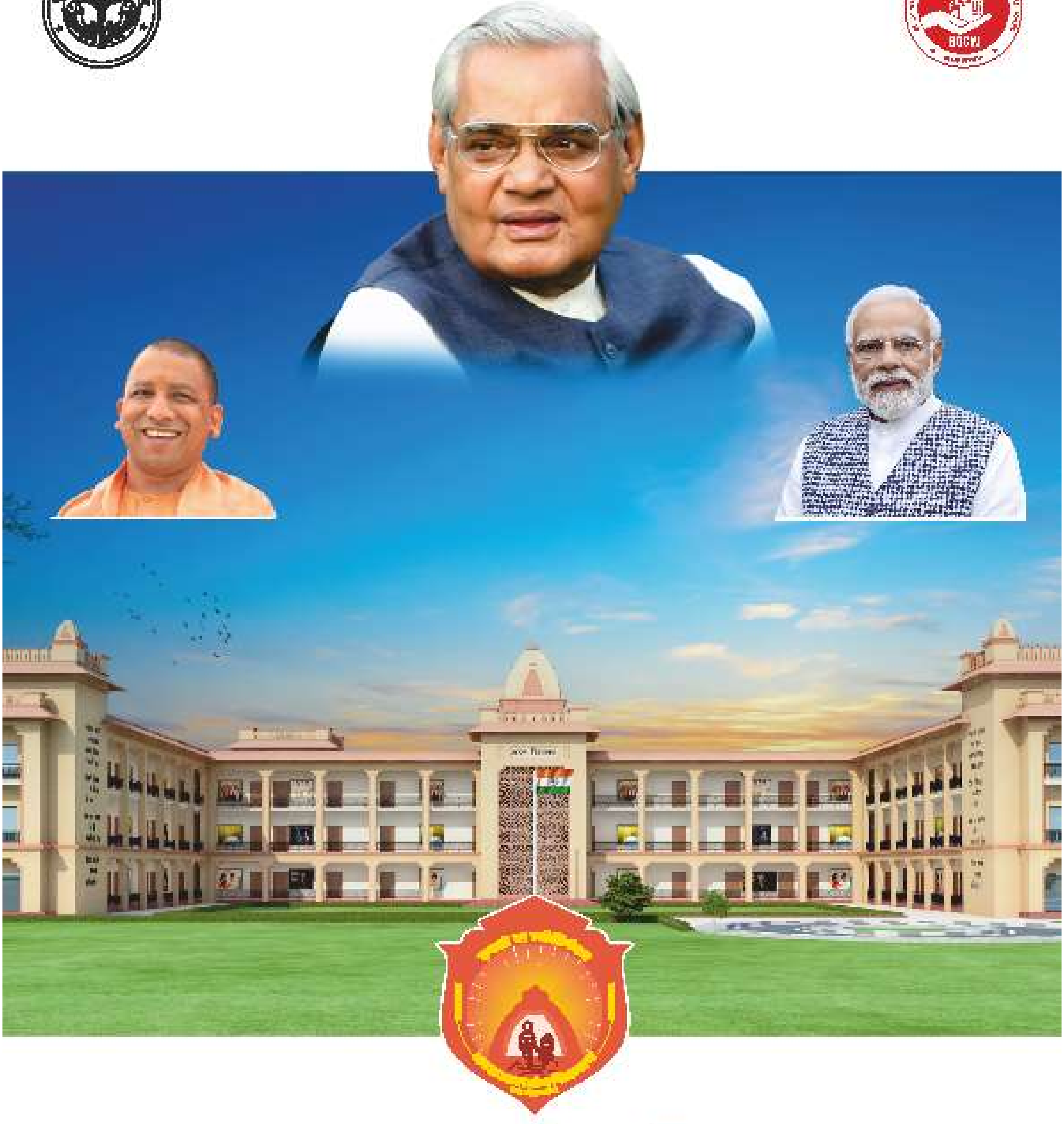

अटल आवासीय विद्यालय

—परिचायिका—

अटल आवासीय विद्यालय :- संकल्पना एवं भविष्य दृष्टि

> "धरती को बौनो की नहीं,
> ऊँचे कद के इंसानों की जरूरत है।
> इतने ऊँचे की आसमान छू लें,
> नये नक्षत्रों में प्रतिभा के बीज बो लें"

....अटल बिहारी बाजपेयी

अटल आवासीय विद्यालय विश्व स्तरीय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से विश्वस्तरीय प्रतिभा व सक्षम युवा शक्ति को राष्ट्रीय अस्मिता के संरक्षक व हमारे आधारभूत मूल्यों और जीवन दृष्टि के वैश्विक संवाहक के रूप में तैयार करने हेतु उ.प. सरकार द्वारा संकल्पित अत्याधुनिक शिक्षा संस्थान व समग्र व्यक्तित्व विकास के केन्द्र हैं। इस सस्थान का लक्ष्य शिक्षा के माध्यम से अमूल्य प्रतिभा को अवसर व अनुकूल वातावरण प्रदान कर के उन्हें यथेष्ठ् शिक्षण व प्रशिक्षण के द्वारा राष्ट्र के विकास का सक्षम अग्रदूत बनाना है।

'सामाजिक–न्याय' और तद्क्रम में समता, बंधुता व व्यक्ति की गरिमा के वृहत्तर राष्ट्रीय आदर्शो की प्राप्ति हेतु अटल आवासीय विद्यालय की संकल्पना की गई है। यह आवासीय विद्यालय एक समग्र व्यक्तित्व विकास व राष्ट्रीय मूल्यों एवं सिद्धान्तों के प्रति समर्पित युवाओं का विश्वस्तरीय, कुशल व दक्ष समूह तैयार करने हेतु समेकित शिक्षण–प्रशिक्षण केन्द्र के रूप में स्थापित किये गये हैं। हमारा देश जहाँ विश्व की तीसरी सबसे बड़ी क्रय शक्ति आधारित अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, वहीं दुनिया की सबसे बड़ी युवा शक्ति हमारे पास है। इस युवा शक्ति को वैश्वीकृत विश्व के मापदण्डों 'गुणवत्ता, दक्षता व प्रतिस्पर्धा' के अनुरूप सर्वोत्तम बनाना अटल आवासीय विद्यालय का विजन है।

> "मैं अखिल विश्व का गुरू महान, देता विद्या का अमरदान
> मैंने दिखलाया मुक्ति मार्ग, मैंने सिखलाया ब्रह्म ज्ञान।
> मेरे वेदों का ज्ञान अमर, मेरे वेदों की ज्योति प्रखर
> मानव के मन का अंधकार, क्या कभी सामने सका ठहर?"

....अटल बिहारी बाजपेयी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 जहाँ युवाओं को विश्वस्तरीय ज्ञान, विज्ञान, कला व साहित्य से परिपूर्ण व्यक्तित्व के रूप में संकल्पित करती है, वहीं इसमें एक संवेदनशील व मूल्य परक सामाजिक प्राणी के रूप में भी पूर्ण विकास के अवसर की अपेक्षा भी निहित है। 'संसाधन' के रूप में उसे विकसित करना व राष्ट्रीय आय में वृद्धि परक यंत्र के रूप में युवा शक्ति का विकास नयी शिक्षा नीति का निहितार्थ न होकर उसे एक 'मानव गरिमा से युक्त परिपूर्ण व मूल्य परक व्यक्तित्व' के रूप में राष्ट्रीय मूल्यों का वैश्विक संवाहक बनाना है। अवसर की कमी प्रतिभा को कुंठित न करें व अत्यधिक संसाधन संकेन्द्रण उसे एकाकी व आत्मकेन्द्रित न कर दे, यह दोनों दायित्व वर्तमान में शिक्षा नियोजकों पर है। हमारा संयुक्त परिवार ही हमें 'वसुधैव कुटुंबकम्' की विश्व दृष्टि देता है और **'सर्वे भवन्तु सुखिनः'** की विश्व कल्याणकारी भावना का आधार है। अटल आवासीय परिसर इसी आदर्श के अनुरूप छात्रों में समरसता व भ्रातृत्व के गुणों का विकास करके उनमें परोपकार, समर्पण, त्याग, सामन्जस्य, सहिष्णुता व सामूहिकता से युक्त सामाजिक व्यक्त्वि का विकास का लक्ष्य लेकर गतिमान है।

''सपना जन्मा और मर गया,
मधु ऋतु में ही बाग झर गया
तिनके टूटे हुये बटोरू या नव सृष्टि सजाऊँ मैं?
राह कौन सी जाऊँ मैं?

टूटे हुये सपनों की कौन सुने सिसकी
अन्तर की चीर व्यथा पलकों पर ठिठकी
हार नहीं मानूँगा, रार नहीं ठानूँगा,
काल के कपाल पे लिखता मिटाता हूँ
गीत नया गाता हूँ।"

....अटल बिहारी वाजपेयी

संकल्प पथ

- प्रतिभा विकास के आर्थिक अवरोधों को दूर करना।
- सामाजिक न्याय की संकल्पना को समग्रता में प्राप्त करना।
- सामाजिक समता, बंधुत्व व व्यक्ति की गरिमा को उसकी परिपूर्णता में सुनिश्चित करना।
- राष्ट्र के एकता व अखण्डता को सुनिश्चित करने वाली बंधुता का छात्र जीवन में ही व्यक्तित्व में समावेश।
- पाठ्यक्रम के माध्यम से ज्ञान की सभी शाखाओं का विस्तृत अनुशीलन।
- शिक्षा में तकनीकी व नवाचारी पक्षों को सशक्त करना।
- संधृत विकास के लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध पीढ़ी का निर्माण।
- प्राकृतिक परिवेश में शिक्षा के साथ समग्र व्यक्तित्व विकास।
- वैश्विक शैक्षिक नवाचारों का सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से अनुप्रयोग।
- खेलों की पाठ्यक्रम में अनिवार्य सहभागिता के द्वारा शारीरिक विकास व स्वस्थ प्रतिस्पर्धी व्यक्तित्व का विकास।
- सहयोग, साहचर्य व सह–अस्तित्व आधारित जीवन दृष्टि का विकास।
- टीम भावना के द्वारा सामूहिक लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु सामन्जस्य व द्वन्दों के निर्मूलन का व्यावहारिक प्रशिक्षण।
- राष्ट्रीय एकता व अखण्डता पर अटूट विश्वास स्थापित करने हेतु राष्ट्रीय भाषाओं का प्रशिक्षण ।
- वैश्विक सामंजस्य हेतु विदेशी भाषाओं का प्रशिक्षण।
- व्यक्तित्व में सहिष्णुता व सौहार्द्र का विकास।
- अटल आवासीय परिसर के माध्यम से सह–अस्तित्व व समरसता का प्रशिक्षण।
- व्यावसायिक कौशल का विकास व तकनीकी प्रशिक्षण द्वारा दक्षता संवर्धन।
- संयुक्त परिवार की भारतीय विरासत को आवासीय परिसर में जीवन्त बनाना व 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की जीवन दृष्टि का विकास।
- **'सर्वे भवन्तु सुखिनः** के सह–अस्तित्वकारी जीवन मूल्य का विकास।
- राष्ट्र की गौरवशाली विरासत पर गर्व व उसके मूल्यों व आदर्शों को अक्षुण्ण बनाये रखने वाली पीढ़ी का निर्माण।
- मानव मूल्यों से परिपूर्ण व्यक्तित्व का विकास ।
- दक्षता, गुणवत्ता व प्रतिस्पर्धा के वैश्विक मानकों के अनुरूप सक्षम व सशक्त मानव संसाधन का विकास।
- भारतीय मूल्यों व आदर्शों के वैश्विक संवाहक तैयार करना ।

मिशन

- आरम्भ में 18 मण्डलीय मुख्यालयों तत्पश्चात प्रत्येक जनपद में समेकित शैक्षिक व व्यक्तित्व विकास केन्द्रों के रूप में अटल आवासीय विद्यालयों की स्थापना संचालन।
- निर्माण श्रमिक परिवारों के जीवन स्तर में उन्नयन के साथ–साथ राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को सशक्त आधार देना।
- तकनीकी रूप से सक्षम व कुशल मानव संसाधन का विकास।
- सामाजिक व पारिवारिक मूल्यों का संरक्षण व परिवर्धन।
- छात्रों का सम्पूर्ण विकास।
- अभिरूचियों व अन्तर्निहित प्रवृत्तियों को पूर्ण अभिव्यक्ति देने के साथ उन्हें व्यावसायिक अवसरों के साथ सहयोजित करना।
- भारतीय मूल्यों सिद्धान्तों, आदर्शों व विश्वासों के सक्षम वैश्विक संवाहक तैयार करना।
- मानव मूल्यों का संरक्षण व संवर्धन।
- सीखने के लिए प्रकृति के साथ साहचर्य व एकात्म स्थापित करना।
- वैश्विक पर्यावरणीय चिंताओं के प्रति सजग पीढ़ी का निर्माण व सहजीवन पर विश्वास का विकास।

आकांक्षाएं

शक्तिशाली राष्ट्र के लिए युवाओं को सशक्त बनाना अटल आवासीय विद्यालय की मुख्य आकांक्षा है। अटल आवासीय विद्यालय में निर्माण श्रमिकों के बच्चों को व कोविड–19 महामारी के दौरान अनाथ हो चुके बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ–साथ तकनीकी दक्षता, व्यावसायिक कौशल विकास, खेल व शारीरिक विकास, विदेशी व राष्ट्रीय भाषा–ज्ञान तथा व्यक्तित्व के रचनात्मक पक्षों के विकास का अवसर उपलब्ध कराते हुये समग्र विकास की आकांक्षा समाहित हैं। यह उ0प्र0 सरकार, श्रम विभाग द्वारा संचालित संपूर्ण सुविधा सम्पन्न व अत्याधुनिक शैक्षिक अद्योसंरचना से युक्त आवासीय शिक्षण संस्थान है–जिनकी आकांक्षा एक सशक्त व गौरवशाली राष्ट्र के निर्माण के लिए विश्वस्तरीय ज्ञान व तकनीकी प्रशिक्षण केन्द्र के साथ–साथ मानवमूल्यों से युक्त परिपूर्ण व्यक्तित्व का विकास कर उसे राष्ट्र के विकास व मानवता की सेवा में उन्मुख करना है।

विशेषताएं

पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों को व कोविड–19 महामारी के दौरान अनाथ हो चुके बच्चों के भविष्य को संवारने का दायित्व लिया है अटल आवासीय विद्यालय ने इन बच्चों को मुख्य धारा में सम्मिलित करने के लिए और बेहतर से बेहतर शिक्षा प्रदान करने के लिए सुविधाओं का भी विशेष ध्यान रखा गया है।

निःशुल्क आवासीय सी0बी0एस0ई0 विद्यालय निर्माण श्रमिक परिवार के बालक–बालिकाओं को गुणवत्तापरक शिक्षा निःशुल्क प्रदान करने के लिए समस्त अटल आवासीय विद्यालयों को शीघ्र ही सी0बी0एस0ई0 से संबंद्ध कराया जाएगा।

बच्चों का सर्वागींण विकास पढ़ाई के साथ–साथ पाठ्येतर (अतिरिक्त शैक्षणिक) गतिविधियां भी कराई जाएंगी। पाठ्येतर गतिविधियां छात्रों के जीवन और भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। विविध समूहों के संपर्क में आने से छात्रों को सामाजिक रूप से बुद्धिमान और जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद मिल सकती है।

एकेडिमिक करीकुलम (केन्द्रीय एकेडिमिक टीम द्वारा निर्मित) एवं तकनीक से परिपूर्ण करीकुलम

यहाँ शिक्षा एवं अवस्थापना की सुविधाएं बेहतर होंगी एवं यह सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की तरह रहेगा। विषय के बारे में तकनीकी जानकारी देने के लिए कम्प्यूटर, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान, गणित एवं भूगोल विषयों के लिए लैब भी बनवाई जाएंगी।

हरियाली से परिपूर्ण विद्यालय कैंपस विद्यालय के परिवेश को स्वास्थ्यवर्धक और सकारात्मक बनाने के लिए प्रचुर मात्रा में पेड़ पौधे लगाए जाएंगे। हरियाली से परिपूर्ण वातावरण बच्चों के पढ़ने के लिए सर्वश्रेष्ठ होगा।

अटल आवासीय विद्यालय योजना : एक परिचय

1. योजना का नाम– **अटल आवासीय विद्यालय योजना**

2. **उद्देश्य** – इस योजना का मूल उद्देश्य भवन एवं अन्य सन्निर्माण प्रक्रियाओं में कार्यरत लाभार्थी पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों एवं **कोरोना काल में निराश्रित हुए बच्चों (महिला कल्याण विभाग, लखनऊ से प्राप्त सूची के आधार पर) तथा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के लिए पात्र बच्चों** को सामाजिक न्याय की अवधारणा के दृष्टिगत समाज की मुख्य धारा से जोड़े जाने हेतु उनके बौद्धिक शारीरिक विकास एवं उनके सम्पूर्ण व्यक्तित्व का विकास करना है ताकि वह भविष्य में देश के सशक्त नागरिक बन सकें एवं उच्च शिक्षा के लिए व्यवस्थित, सुगठित एवं सुसंस्कृत ढंग से तैयार हो सकें। योजना का उद्देश्य ऐसे बच्चों को कक्षा 06 से कक्षा 12 तक की निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण आवासीय शिक्षा उपलब्ध कराना है।

3. पात्रता –

1. इस योजना के अन्तर्गत **कोरोना काल में निराश्रित हुए बच्चों (महिला कल्याण विभाग, लखनऊ से प्राप्त सूची के आधार पर) तथा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना(सामान्य) के लिए पात्र बच्चों** एवं ऐसे अद्यतनीकृत रूप से विधिवत पंजीकृत निर्माण श्रमिक जो पंजीयन के उपरान्त **कम से कम 03 वर्ष** बोर्ड की सदस्यता अवधि पूर्ण कर चुके हों, उनके बच्चे पात्र होंगें।

2. योजना के अन्तर्गत **पंजीकृत कामगार परिवार के अधिकतम 02 बच्चे** विद्यालय में अध्ययन करने हेतु पात्र होंगे।

4–विद्यालय संचालन की रूप रेखा–

1. इन विद्यालयों में शिक्षा का पाठ्यक्रम सी0बी0एस0ई0 बोर्ड से अंग्रेजी माध्यम से नवोदय विद्यालय की भॉति किया जायेगा।

2. प्रत्येक विद्यालय की छात्र क्षमता 1000 की होगी, जिसमें 500 छात्र एवं 500 छात्राएँ होंगी।

3. प्रत्येक वर्ष निर्माण श्रमिकों के बच्चों एवं **कोरोना काल में निराश्रित हुए बच्चों (महिला कल्याण विभाग, लखनऊ से प्राप्त सूची के आधार पर) तथा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के लिए पात्र बच्चों** का प्रवेश अटल आवासीय विद्यालय समिति (AVS) द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर लिया जायेगा।

5–योजना का क्रियान्वयन–

1. अटल आवासीय विद्यालयों का संचालन, अटल आवासीय विद्यालय समिति (AVS) के माध्यम से किया जायेगा। अटल आवासीय विद्यालय समिति में समस्त प्रकरणों के प्रबन्धन, जिसमें बजट निर्धारित करना भी सम्मिलित होगा, की शक्तियॉं निहित होंगी। विद्यालयों के गुणवत्ता पूर्वक संचालन हेतु विभिन्न प्रकार की समितियाँ गठित करने एवं अन्य आवश्यक कार्य हेतु निर्णय लेने हेतु समिति ही अधिकृत होगी।

2. उ.प्र. भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के स्तर से योजना के क्रियान्वयन हेतु बोर्ड स्तर पर विद्यालय संचालन सेल का गठन किया जायेगा।

6. योजना के अन्तर्गत बजट की व्यवस्था–

1. अटल आवासीय विद्यालयों के संचालन के मद मे होने वाले समस्त व्यय की व्यवस्था उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा की जायेगी। बोर्ड द्वारा अटल आवासीय विद्यालय समिति (AVS) के कार्यालय के मद में होने वाले व्यय का वार्षिक बजट बोर्ड से पास कराते हुए समिति को उपलब्ध करायी जायेगी।

2. समिति द्वारा वार्षिक प्रगति रिपोर्ट तथा आडिटेड बैंलेंसशीट बोर्ड कार्यालय को उपलब्ध करायी जायेगी। इसी प्रकार समस्त विद्यालयों द्वारा भी ऑडिट रिपोर्ट अटल आवासीय विद्यालय समिति के माध्यम से बोर्ड को उपलब्ध करायी जायेगी।

1. कोरोना काल में निराश्रित हुए बच्चों (महिला कल्याण विभाग, लखनऊ से प्राप्त सूची के आधार पर) तथा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के लिए पात्र बच्चों के सापेक्ष होने वाला व्यय राज्य सरकार द्वारा वहन किया जायेगा।

7. विद्यालयों में प्रदान किये जाने वाली सुविधाएँ

विद्यालयों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण छात्रावास, खान–पान, खेलकूद, चिकित्सा, सुरक्षा आदि सुविधा जैसा कि अटल आवासीय विद्यालय समिति द्वारा नियत की जाये, प्रदान किये जाने का उत्तरदायित्व विद्यालय प्रबन्धन समिति का होगा।

8. कठिनाइयों का निवारण –

अटल आवासीय विद्यालयों के संचालन में किसी भी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न होने पर अटल आवासीय विद्यालय समिति (AVS) निर्णय लेने हेतु सक्षम होगी और इस सम्बन्ध में कोई दिशा–निर्देश/आदेश इत्यादि निर्गत करने हेतु सक्षम होगी।

अटल आवासीय विद्यालय : विशिष्टतायें

अटलियन अवधारणाः जहाँ अटल आवासीय विद्यालय के सभी छात्रों को अटलियन के रूप में संदर्भित किया जाएगा और उनके नाम में अटल शामिल होगा। (प्रथम नाम अटल) समावेशिता को बढ़ावा देने और स्कूल के माहौल से जाति और धर्म की पहचान को कम करने के लिए एक शक्तिशाली पहल है।

अटलियन अवधारणा की शुरुआत के साथ छात्रों के नाम एक सामान्य पहचान को प्रतिबिंबित करेंगे। एकता और उद्देश्य को साझा करने की भावना पर जोर देंगे। यह दृष्टिकोण अटल आवासीय विद्यालय की एक ऐसी शिक्षा प्रणाली प्रदान करने के दृष्टिकोण से पूरी तरह मेल खाता है जो सामाजिक और धार्मिक बाधाओं को पार करती है, समग्र विकास और मजबूत चरित्र के लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करती है।

अटलियन अवधारणा के लाभ महत्वपूर्ण हैः

1– **समावेशिता** : सभी छात्रों को अटलियन के रूप में पहचान कर, यह अवधारणा जाति और धर्म के आधार पर किसी भी भेदभाव को समाप्त करती है, सभी के लिए एक समावेशी और स्वागत योग्य माहौल को बढ़ावा देती है।

2– **एकता और सद्भावना** : अटलियन होने की साझा पहचान छात्रों के बीच अपनेपन और एकता की भावना पैदा करेगी, सहयोग और समझ को प्रोत्साहित करेगी।

3–**व्यक्तिगत गुणों पर ध्यान** : यह अवधारणा छात्रों की व्यक्तिगत पहचान से हटकर उनके अद्वितीय प्रतिभाओं और क्षमताओं पर ध्यान केंद्रित करती है, उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों और व्यक्तिगत विकास पर जोर देती है।

4 –**विविधता का सम्मान** : छात्र सहिष्णुता और सम्मान की संस्कृति को बढ़ावा देते हुए एक दूसरे के भिन्न विचारों की सराहना और सम्मान करना सीखेंगे।

5– **उन्नत विद्यालय भावना** : अटलियन अवधारणा स्कूल में गर्व और एकत्व की मजबूत भावना पैदा करेगी क्योंकि छात्र एकजुट और समुदाय का एक हिस्सा महसूस करेंगे।

अटलियन अवधारणा को अपनाकर अटल आवासीय विद्यालय एक ऐसे विद्यालय वातावरण के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है जो जाति और धर्म के विभाजन से मुक्त है। यह दृष्टिकोण न केवल समावेशी शिक्षा प्रणाली के दृष्टिकोण का समर्थन करता है बल्कि अन्य शैक्षणिक संस्थानों के अनुसरण के लिए एक सकारात्मक उदाहरण भी स्थापित करता है। इस पहल के माध्यम से अटल आवासीय विद्यालय का एक लक्ष्य ऐसे सर्वगुण संपन्न व्यक्तियों का पोषण करना है जो अपनी पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने में सक्षम हों।

आध्यात्मिक शिक्षा

1– **दैनिक प्रातः कालीन सभाः** जहाँ प्रतिदिन सुबह की सभा आयोजित हो, छात्र सांस्कृतिक मूल्यों और अनुशासन को स्थापित करने के लिए वैदिक मंत्रों का पाठ करेंगे, देश भक्ति के गीत गायेंगे और योग का अभ्यास करेंगे।

2– **त्यौहार एवं उत्सवः** प्रमुख भारतीय त्यौहार, दीपावली, होली, दशहरा और गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास और पारंपरिक रीति–रिवाजों के साथ मनाये जायेंगे। इन समारोहों के दौरान भारतीय नृत्य संगीत और कला का प्रदर्शन करने वाले सांस्कृतिक आयोजन किये जायेंगे।

3—सुबह की सभा : प्रत्येक दिन की शुरुआत सुबह की सभा से की जायेगी जिसमें प्रार्थनाएं, प्रेरणादायक भाषण और नैतिक मूल्य पर चर्चा शामिल होगी।

4— मूल्य आधारित प्रतियोगिताएंः अंतर्सदसीय या अंतर विद्यालयीय प्रतियोगिताएं आयोजित की जायेगी जो मूल्यों और नैतिकता पर केंद्रित होंगी। इनमें वाद—विवाद, निबंध लेखन, पोस्टर बनाना और नैतिक दुविधा और नैतिक निर्णय लेने पर केंद्रित नाटक शामिल हो सकते हैं। इन प्रतियोगिताओं की योजना विद्यालय के मासिक या सेमेस्टर कैलेण्डर का अनिवार्य भाग होंगी।

5— मेंटरशिप कार्यक्रमः एक मेंटरशिप कार्यक्रम शुरू किया जायेगा, जहां वरिष्ठ छात्र व शिक्षक युवा छात्रों के लिए सलाहकार के रूप में कार्य करेंगे, उन्हें मूल्यों को आत्मसात करने और अभ्यास करने में मार्गदर्शन करेंगे, पूरे शैक्षणिक वर्ष में नियमित परामर्श सत्र निर्धारित किए जायेंगे। इन गतिविधियों के शेड्यूल को स्कूल कैलेंडर में एकीकृत किया जायेगा और शैक्षणिक और पाठ्येतर कार्यक्रम को समन्वय करते हुए योजना बनाई जायेगी। पूरे वर्ष मूल्यों के नियमित सुदृढ़ीकरण के साथ एक सुसंगत और संतुलित दृष्टिकोण सुनिश्चित करना हमारा लक्ष्य है।

व्यावसायिक शिक्षा

1— व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यशाला : समय—समय पर व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जायेगी, जहां छात्र विभिन्न व्यवसायों जैसे बढ़ईगीरी, प्लंबरिंग, बिजली का काम, सिलाई, खाना पकाना, कंप्यूटर कौशल आदि से संबंधित व्यावहारिक कौशल सिखाये जायेंगे। यह कार्यशाला मासिक या त्रैमासिक आधार पर आयोजित की जायेगी, जो संसाधनों और प्रशिक्षकों की उपलब्धता पर निर्भर करता है।

2—उद्योग दौरे : उद्योगों और कार्य स्थलों के दौरों की व्यवस्था की जायेगी, जहां छात्र विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों को देखकर सीख सकेंगे। यह प्रदर्शन उन्हें वास्तविक जीवन के कार्य परिवेश की जानकारी देगा और व्यावसायिक कौशल के व्यावहारिक अनुप्रयोगों को समझने में मदद करेगा। साल में कम से कम एक या दो बार इन यात्राओं की योजना बनायी जायेगी।

3— इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप कार्यक्रम : छात्रों के लिए इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप के अवसर प्रदान करने के लिए स्थानीय व्यवसायियों और संगठनों के साथ समन्वय किया जायेगा। इनसे उन्हें व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने और विशिष्ट व्यवसाय कौशल विकसित करने में मदद मिलेगी। इन कार्यक्रमों को छुट्टियों के दौरान या एक संरचित पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में निर्धारित किया जा सकता है।

4— कौशल आधारित प्रतियोगिताएं : विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में छात्रों की प्रतिभा और क्षमताओं को प्रदर्शित करने के लिए स्कूल के भीतर या अन्य स्कूलों के सहयोग से कौशल आधारित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा। इन प्रतियोगिताओं को संसाधनों की उपलब्धता और भागीदारी के आधार पर वार्षिक/अर्द्धवार्षिक रूप में निर्धारित किया जा सकता है।

5— कौशल विकास क्लब और गतिविधियां : कौशल विकास क्लब पाठ्येत्तर गतिविधियों के लिए स्थापित किया जायेगा, जहां छात्र अपनी रुचियों का पता लगा सकेंगे और व्यवसायिक कौशल विकसित कर सकेंगे। यह क्लब रोबोटिक्स, कोडिंग, कला और शिल्प, खाना पकाना, बागवानी या अन्य क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे। पूरे शैक्षणिक वर्ष के लिए नियमित रूप से क्लब की गतिविधियां निर्धारित की जायेंगी।

पर्यावरण शिक्षा

1– प्रकृति भ्रमण और कक्षेत्तर यात्राएं: प्राकृतिक वन्य जीव अभयारण्य, वनस्पति उद्यान व पर्यावरण अनुकूल स्थानों पर नियमित प्रकृति भ्रमण और कक्षेत्तर यात्राएं आयोजित की जायेंगी, जिससे छात्रों को प्रकृति से जुड़ने और पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझने में मदद मिलेगी। इन गतिविधियों को वर्ष में एक या दो बार निर्धारित किया जायेगा।

2– बागवानी और वृक्षारोपण: छात्रों को स्कूल परिसर के भीतर बागवानी गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा। बागवानी के लिए विशिष्ट समय स्लॉट आवंटित किया जायेगा, जहां छात्र विभिन्न पौधों, उनकी देखभाल और हरित स्थलों के महत्व के बारे में सीख सकेंगे। विश्व पर्यावरण दिवस जैसे विशेष अवसरों पर भी वृक्षारोपण अभियान आयोजित किये जायेंगे।

3– अपशिष्ट प्रबंधन कार्यक्रम: स्कूल में अपशिष्ट प्रबंधन कार्यक्रम लागू किया जायेगा, जिसमें कचरे का उचित पृथक्करण, पुनर्चक्रण पहल और प्लास्टिक के उपयोग को कम करने पर जागरूकता अभियान शामिल है। इन प्रथाओं को स्कूल की दैनिक दिनचर्या में शामिल किया जा सकता है और पर्यावरण विशेषज्ञों के साथ कार्यशालाओं या अतिथि व्याख्यानों के माध्यम से पर्यावरण के प्रति संरक्षणवादी विश्वास सुदृढ़ किया जायेगा।

4– इको क्लब गतिविधियां : स्कूल के भीतर एक इको क्लब स्थापित किया जायेगा, जो पर्यावरण संवेदीकरण पर केंद्रित होगा। पोस्टर बनाने की प्रतियोगिताएं, जागरूकता अभियान और सामुदायिक सफाई अभियान जैसी नियमित गतिविधियों की योजना बनायी जायेगी व इन गतिविधियों को महत्वपूर्ण पर्यावरणीय तिथियों के साथ सम्बन्धित विशिष्ट घटनाओं के साथ पूरे वर्ष निर्धारित किया जा सकता है।

5– पर्यावरणीय परियोजनाएं और अनुसंधान: छात्रों को पर्यावरणीय परियोजनाएं सौंपी जायेगीं, जहां वे पर्यावरणीय मुद्दे पर शोध और विश्लेषण कर सकेंगे, समाधान प्रस्तावित कर सकेंगे और जागरूकता सामग्री बना सकेंगे। इन परियोजनाओं को अकादमिक पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में संचालित किया जायेगा और निर्दिष्ट परियोजना को प्रदर्शनी कार्यक्रमों के दौरान या डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रस्तुत किया जायेगा।

कौशल आधारित शिक्षा

विशिष्ट कौशल विकास पाठ्यक्रमों की एक सूची निर्धारित की गई है जिन्हें शुरू किया जा सकता है। अटल आवासीय विद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एन ई पी 2020) के अनुसार कोडिंग और अन्य जैसे व्यावहारिक और व्यावसायिक कौशल पर ध्यान केंद्रित किया जा सकता है, जिन्हें पाठ्यक्रम में शामिल किया जायेगा।

विवरण और लाभ

1– मोबाइल उपकरणों के निर्माण की तकनीकी शिक्षा :

यह पाठ्यक्रम छात्रों को हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर पहलुओं को कवर करते हुए मोबाइल उपकरणों का निर्माण और मरम्मत करना सिखाता है।

लाभ : छात्र सामान्य मोबाइल समस्याओं को ठीक करने, तकनीकी विशेषज्ञता को बढ़ावा देने और इलेक्ट्रॉनिक्स मरम्मत उद्योग में संभावित रोजगार के अवसरों के लिए व्यावहारिक कौशल हासिल करेंगे।

2— ड्रोन प्रौद्योगिकी और शिक्षाः

विवरणः ड्रोन प्रौद्योगिकी, अनुप्रयोगों और विनियमन का परिचय, उभरती प्रौद्योगिकी के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना।

लाभः छात्र व्यावहारिक कौशल हासिल करेंगे और ड्रोन विकास उद्योग में तकनीकी विशेषज्ञता और संभावित रोजगार के अवसरों से लाभान्वित हो सकेंगे।

3— कोडिंग और प्रोग्रामिंग :

विवरण : यह पाठ्यक्रम छात्रों को कोडिंग भाषाओं और प्रोग्रामिंग अवधारणाओं से परिचित कराता है जिससे वह सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन और वेबसाइट बनाने में सक्षम होते हैं।

लाभ : छात्र कंप्यूटेशनल सोच, समस्या समाधान कौशल और प्रौद्योगिकी और सॉफ्टवेयर विकास में भविष्य की कैरियर की नींव विकसित कर सकेंगे।

4—ग्राफिक डिजाइन और डिजिटल इमेजिंगः

विवरण : यह पाठ्यक्रम दृश्य सामग्री बनाने के लिए ग्राफिक डिजाइन सिद्धांतों, सॉफ्टवेयर टूल और तकनीकों की खोज करता है।

लाभः छात्र रचनात्मकता, डिजाइन सौंदर्यशास्त्र और डिजिटल संचार कौशल विकसित करेंगे जो विज्ञापन, मीडिया और विपणन जैसे क्षेत्रों में मूल्यवान है।

5—साइबर सुरक्षा मूल बातें :

विवरण : यह पाठ्यक्रम छात्रों को ऑनलाइन सुरक्षा नियमों, साइबर सुरक्षा खतरों और डिजिटल जानकारी की सुरक्षा के उपायों से परिचित कराता है।

लाभ : छात्र ऑनलाइन सुरक्षा के प्रति अधिक जागरूक हो सकेंगे, डिजिटल कल्याण और साइबर खतरों के प्रति जागरूकता में योगदान देंगे।

6— रोबोटिक और स्वचालनः

विवरण : यह पाठ्यक्रम रोबोटिक ऑटोमेशन और बुनियादी इंजीनियरिंग सिद्धांतों पर प्रकाश डालता है।

लाभ : छात्र व्यावहारिक रूप से सीखने, रचनात्मकता को बढ़ावा देने, समस्या समाधान और एस टी ई एम क्षेत्रों से परिचित होने में सक्षम होंगे।

7—डिजिटल मार्केटिंग की बुनियादी बातेंः

विवरण : यह पाठ्यक्रम सोशल मीडिया प्रबंधन, सामग्री निर्माण और ऑनलाइन विज्ञापन सहित डिजिटल मार्केटिंग की मूल बातें शामिल करता है।

लाभ : छात्र डिजिटल मार्केटिंग करियर में संभावित अवसरों के साथ आधुनिक मार्केटिंग परिदृश्य के लिए प्रासंगिक कौशल विकसित कर सकेंगे।

8— विदेशी भाषा :

विवरण : यह पाठ्यक्रम छात्रों को विदेशी भाषाओं से परिचित कराता है जिससे उनके अंतर सांस्कृतिक संचार कौशल में वृद्धि होती है।

लाभ : बहुभाषी कौशल, कूटनीति पर्यटन, अनुवाद और अंर्तराष्ट्रीय व्यापार सहित विभिन्न कैरियर में मूल्यवान अवसर उपलब्ध है।

9— वित्तीय साक्षरता और उद्यमिता :

विवरण : यह पाठ्यक्रम वित्तीय प्रबंधन, बजट और बुनियादी उद्यमिता अवधारणाओं का ज्ञान प्रदान करता है।

लाभ : छात्र वित्तीय साक्षरता हासिल करेंगे जिससे वे वित्तीय निर्णय लेने में सक्षम होंगे और उद्यमशीलता की मानसिकता को बढ़ावा मिलेगा।

10—पर्यावरणीय स्थिरता और संरक्षण :

विवरण —पाठ्यक्रम पर्यावरणीय प्रभाव और संरक्षण प्रयासों पर प्रकाश डालता है।

लाभ : जागरूक नागरिकों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता व सतत विकास लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता उत्पन्न की जा सकेगी।

11—स्वास्थ्य एवं कल्याण प्रबंधन :

विवरण : यह पाठ्यक्रम छात्रों को स्वस्थ जीवन शैली विकल्पों, पोषण और शारीरिक फिटनेस के बारे में शिक्षित करता है।

लाभ : छात्र व्यक्तिगत स्वास्थ्य और कल्याण बनाए रखने के लिए आवश्यक जीवन कौशल विकसित करेंगे।

12 : कृत्रिम बुद्धिमत्ता (A.I.-Artificial Intelligence) :

विवरण : यह पाठ्यक्रम छात्रों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के मूल सिद्धांतों और उसके अनुप्रयोगों से परिचित कराता है।

लाभ : छात्रों को उभरती प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी मिलेगी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (A.I.-Artificial Intelligence) से संबंधित क्षेत्रों में रुचि बढ़ेगी और भविष्य में कैरियर की संभावनाएं बढ़ेंगी।

इन कौशल विकास पाठ्यक्रमों की शुरुआत छात्रों को व्यावहारिक और व्यवसाय कौशल से युक्त करेंगी, उनकी रोजगार क्षमता को बढ़ाएगी और उन्हें आधुनिक कार्यबल की मांगों के लिए तैयार करेगी। यह पाठ्यक्रम न केवल कैरियर मार्ग प्रदान करते हैं बल्कि छात्रों को अपने जुनून को आगे बढ़ाने, रचनात्मकता को बढ़ावा देने और समाज में सार्थक योगदान देने के लिए भी सशक्त बनाते हैं।

खेल एवं शारीरिक शिक्षा

खेल प्रथाओं को पाठ्यक्रम में एकीकृत करके अटल आवासीय विद्यालय का लक्ष्य शारीरिक रूप से फिट, मानसिक रूप से लचीला और सामाजिक रूप से कुशल व्यक्तियों का पोषण करना है, जो मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकेंगे।

1—शारीरिक शिक्षा पाठ्यक्रम : एक अच्छी तरह से संरचित शारीरिक शिक्षा पाठ्यक्रम डिजाइन किया जायेगा, जिसमें विभिन्न आयु समूहों के अनुरूप खेल फिटनेस, व्यायाम और योग का मिश्रण सम्मिलित होगा। सुबह की फिटनेस दिनचर्या छात्रों को दिनभर के लिए ऊर्जावान बनाने के लिए प्रत्येक दिन की शुरुआत स्ट्रेचिंग, वार्मअप, व्यायाम और सरल योग मुद्राओं के एक छोटे सत्र से की जायेगी।

3– बहु खेल दृष्टिकोण : छात्रों की विभिन्न शारीरिक गतिविधियों का पता लगाने के लिए फुटबॉल, क्रिकेट, बास्केटबॉल, एथलेटिक्स और मार्शल आर्ट जैसे विभिन्न खेलों का आयोजन किया जायेगा।

4– अंर्त सदनीय प्रतियोगिताएं : मैत्रीपूर्ण प्रतिद्वंदिता, टीमवर्क और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देते हुए स्कूल के भीतर नियमित खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा।

5– विशेष प्रशिक्षण : विशिष्ट खेल रूचि या प्रतिभा वाले छात्रों की पहचान करते हुए उनके कौशल को विकसित करने के लिए उन क्षेत्रों में विशेष कोचिंग प्रदान की जायेगी।

6– आउटडोर साहसिक गतिविधियां : साहस, अनुकूलन शीलता और समस्या समाधान कौशल विकसित करने के लिए ट्रैकिंग, कैंपिंग, रॉक क्लाइंबिंग जैसी गतिविधियां शामिल की जायेंगी।

6– स्वास्थ्य और फिटनेस आकलन: व्यक्तिगत प्रगति पर नजर रखने और सुधार के लिए व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए नियमित फिटनेस मूल्यांकन किया जायेगा।

8– योग और ध्यान : मानसिक फोकस, एकाग्रता और भावनात्मक कल्याण को बढ़ाने के लिए योग और ध्यान के नियमित अभ्यास को शामिल किया जायेगा।

9– वार्षिक खेल प्रतियोगिता : सभी छात्रों को शामिल करते हुए एक वार्षिक खेल प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी जिसमें उन्हें भाग लेने और अपनी एथलेटिक क्षमताओं का प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। छात्रों को विभिन्न खेलों का अनुभव और पेशेवर मार्गदर्शन तक पहुंच प्रदान करने के लिए स्थानीय खेल क्लबों और प्रशिक्षकों के साथ समन्वय किया जायेगा।

खेल और शारीरिक व्यायाम के प्रति समग्र दृष्टिकोण पर जोर देकर अटल आवासीय विद्यालय ऐसे छात्रों को विकसित करने का प्रयास करता है जो न केवल शारीरिक रूप से मजबूत बल्कि उनमें टीम वर्क, अनुशासन, लचीलापन और चुनौतियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण जैसे गुण भी होंगे।

अटल आवासीय विद्यालय, उत्तर प्रदेश में उपलब्ध सुविधायें

नि:शुल्क शिक्षा की सुविधा

खेलकूद एवं मनोरंजन से जुड़ी सभी प्रकार की सुविधाएँ

स्कूल ड्रेस एवं बच्चों की पढ़ाई से संबंधी सभी प्रकार की सामग्री की सुविधाएँ

उत्तर–प्रदेश अटल आवासीय विद्यालय योजना के अन्तर्गत

उ.प्र. सरकार के द्वारा निम्न स्थानों को शामिल किया गया है –

बस्ती - ग्राम- बसेवराय, तहसील- हरैया

आज़मगढ़ - ग्राम- गम्भीरबन, तहसील- सदर

लखनऊ - ग्राम- सिठौली कलाॅ, तहसील- मोहनलालगंज

मिर्ज़ापुर - ग्राम- कोटा, तहसील- राबर्टसगंज

झाँसी - ग्राम- धौर्रा, तहसील- ललितपुर

मेरठ - ग्राम- कौन्दु, तहसील- सिकन्दराबाद

प्रयागराज - ग्राम- बेलहट, तहसील- कोरांव

देवीपाटन - ग्राम- सिसवां, तहसील- मनकापुर

अयोध्या - अमराई, तहसील- रुदौली

सहारनपुर - ग्राम- नगला बुजुर्ग, तहसील- जानसठ

चित्रकूट धाम - ग्राम- अछरौड़, तहसील- सदर बाँदा

आगरा - ग्राम- कोरई, तहसील- किरावली

अलीगढ़ - ग्राम- टमकौली, तहसील- गभाना

गोरखपुर - ग्राम- पिपरा, तहसील- सहजनवाँ

कानपुर - ग्राम- रामपुर नरुआ, तहसील- बिल्हौर

वाराणसी - ग्राम- करसड़ा, तहसील- राजातलाब

बरेली - ग्राम- अधकटा नजराना, तहसील- नवाबगंज

मुरादाबाद - ग्राम- पीपली, तहसील- बिलारी

अटल चित्र वीथिका

सुर्खियों में

अटल आवासीय विद्यालय

epaper.jagran.com

कुमार, एडीसीपी तेज स्वरूप सिंह, अंकिता शर्मा, केडीए सचिव शत्रोहन वैश्य, एडीएम सिटी अतुल कुमार, अपर नगर आयुक्त एसके त्रिपाठी, डा. सुधांशु राय उपस्थित रहे।

अधिकारी सड़क पर निरीक्षण करने नहीं उतरता।

नगर आयुक्त शिव शरणप्पा जीएन ने सभी जोनल अभियंताओं को आदेश दिए हैं कि अपने-अपने

को जब्त करने के साथ ही जुर्माना वसूला जाए। भवन निर्माण के दौरान कई जगह लोगों ने फुटपाथ, गली पिट और नाली तक तोड़ दी है। इसके चलते हर साल

421 ने दी अटल आवासीय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा

जासं, कानपुर : मंडलस्तरीय अटल आवासीय विद्यालय रामपुर नरूआ गांव बिल्हौर में कक्षा छह की 80 सीटों पर दाखिले के लिए 18 जून को कानपुर नगर समेत छह जिलों में प्रवेश परीक्षा कराई गई। केंद्रों पर श्रमिक परिवारों के बच्चों में परीक्षा को लेकर उत्साह दिखा। कुल 421 बच्चों ने परीक्षा दी, जबकि 22 अनुपस्थित मिले। इस दौरान मंडलायुक्त और श्रमायुक्त डा. लोकेश एम ने नगर में बने केंद्र राजकीय बालिका इंटर कालेज चुन्नीगंज का निरीक्षण किया। अपर श्रमायुक्त सरजूराम शर्मा ने बताया कि चयनित बच्चों को सीबीएसई पैटर्न पर पढ़ाई कराई जाएगी। सभी को निश्शुल्क ड्रेस, किताबें, भोजन, आवास की सुविधा मिलेगी।

"प्रश्नपत्र में अंकगणित और मानसिक परीक्षण के सवाल कठिन थे। जिन्हें हल करने में दिक्कत आई थी।"
गौरी, निवासी बिठूर

"100 अंकों के प्रश्नपत्र में 80 प्रश्न वस्तुनिष्ठ पूछे गए थे। पेपर आसान था। हल करने में दिक्कत नहीं हुई।"
आदित्य, निवासी कल्याणपुर

"50 अंकों के 40 प्रश्न सिर्फ मानसिक क्षमता परीक्षण के थे। पेपर अच्छा हुआ है।"
आर्या, निवासी केशवपुरम

चुन्नीगंज स्थित राजकीय इंटर कालेज से अटल आवासीय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा देकर बाहर निकलते अभ्यर्थी • जागरण

इन जिलों में इतने छात्रों ने दी परीक्षा

जिला	छात्र
कानपुर नगर	129
कानपुर देहात	132
औरैया	34
फर्रुखाबाद	58
कन्नौज	41
इटावा	27

6 जिलों में आयोजित पेपर में 22 बच्चे अनुपस्थित

******

अटल आवासीय के प्रवेश के लिए 308 ने दी परीक्षा

नवोदय विद्यालय जैसी सुविधाओं के साथ शिक्षा पा सकेंगे श्रमिकों के बच्चे

मेरठ के राजकीय इंटर कालेज में बने परीक्षा केन्द्र में 111 बच्चों ने लिया भाग

• जनवाणी संवाददाता, मेरठ

रविवार को मेरठ मंडल के सभी जिलों में अटल आवासी विद्यालय में प्रवेश के लिए 308 बच्चों ने परीक्षा दी। मेरठ स्थित राजकीय इंटर कालेज में 111 बच्चे परीक्षा देने के लिए पहुंचे। मेरठ मंडल से आरक्षण व्यवस्था के अंतर्गत 40 बालक और 40 बालिकाओं को प्रवेश दिया जाएगा।

डिप्टी लेबर कमिश्नर राजीव कुमार सिंह ने बताया कि जवाहर नवोदय विद्यालय की तर्ज पर उप्र भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों तथा कोविड-19 की महामारी के दौरान कोरोना से निराश्रित हुए बच्चों को कक्षा छह से 12वीं तक निःशुल्क आवासीय शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से अटल आवासीय विद्यालयों की स्थापना की गई है। मेरठ मंडल में यह विद्यालय जनपद बुलन्दशहर के ग्राम कोंदू तहसील सिकन्द्राबाद में स्थित है। इस विद्यालय के प्रथम सत्र मे कक्षा छह में प्रवेश के लिए 80 बच्चों के प्रवेश के लिए रविवार को परीक्षा आयोजित की गई। प्रवेश परीक्षा जनपद गाजियाबाद, बुलन्दशहर, हापुड़, बागपत, मेरठ एवं गौतमबुद्धनगर में पूर्वान्ह 11 बजे से अपरान्ह एक बजे के मध्य हुई। उन्होंने बताया कि मेरठ में राजकीय इंटर कालेज में बनाए गए परीक्षा केन्द्र में 111 बच्चे उपस्थित रहे। हालांकि जनपद से 126 बच्चों ने पंजीकरण कराया था। गाजियाबाद अकेला जनपद रहा, जहां पंजीकरण कराने वाले सभी 26 बच्चे परीक्षा देने के लिए पहुंचे। बुलंदशहर में 36 में से 35, हापुड़ में 31 में से 25, नोएडा में 84 में से 71 और बागपत में 43 में से 40 बच्चे प्रवेश परीक्षा देने के लिए पहुंचे। उन्होंने बताया कि चयनित छात्र-छात्राओं को निःशुल्क शैक्षिक आवासीय विद्यालय सुविधा, उच्च तकनीकी से युक्त कक्षाएं, अनुभवी अध्यापक छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग छात्रावास, निःशुल्क शिक्षा, भोजन, पाठ्य पुस्तकें, आवास यूनिफार्म तथा खेल की सुविधाएं प्रदान की जायेंगी। कुल 80 सीटों के स्थानों में बालकों के लिए 40 सीटों में 20 सीटें अनारक्षित, 11 सीटें अन्य पिछड़ा वर्ग, आठ सीटें अनुसूचित जाति तथा एक सीट अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित की गई हैं। यही आरक्षण व्यवस्था 40 बालिकाओं के प्रवेश में लागू होगी। राज्य के मानकदंडों के अनुसार दिव्यांग बच्चों (अर्थात शारीरिक विकलांगता, श्रवण बाधित और दृष्टि बाधित) के लिए आरक्षण का प्राविधान भी रखा गया है।

Photographs by SUMIT KUMAR

By Prashant Srivastava

Komal Sharma, an 11-year-old girl from Lucknow who lost her parents in the Covid pandemic, wants to become a computer studies teacher. To make her dream come true, the orphan needs the impossible to happen—someone to bear the expenses of a quality education, as well as her daily needs. But hope, in the form of a new chain of government schools, is on the way. On June 11, Komal, and many like her, wrote the entrance exam for a newly built Atal Residential School—the start of an education project close to Uttar Pradesh chief minister Yogi Adityanath's heart. Named after former prime minister Atal Behari Vajpayee, the chain of schools will provide quality education from Classes 6 to 12 to children of construction workers, labourers and to those whose parents died during the pandemic.

According to senior officials in the Yogi government, Atal Residential Schools are conceived on the lines of Jawahar Navodaya Vidyalayas (JNVs) for talented rural children. The project has been allotted Rs 1,200 crore in this year's budget. In the initial phase, such schools have been set up in all 18 divisional headquarters of the state. Later, each

A SCHOOL TO BELONG TO
The Atal Residential School in Sithorikala; below, children taking the entrance test for admission in Atal schools

UTTAR PRADESH

SCHOOLS FOR THE NEEDY

free boarding, lodging and tuition fees, students will get free uniforms, books, stationery and satchels. To be managed by the UP labour department, the first 18 Atal Residential Schools, their entrance exams and selection process complete, will start functioning from July 2023. The schools will be affiliated with the CBSE and will hold annual entrance examinations to select students.

Officials say the state government has held consultative discussions with the Centre to help model them on the lines of JNVs—an education programme conceptualised in the 1980s for meritorious rural students. The distinguishing feature here is that the Atal schools also aim to draw from India's traditional gurukul system and channel them towards vocational training. Says a senior official at Yogi's office: "The chief minister has shown his economic vision by attracting investment. Now, he wants to focus on education. Atal Residential Schools are his initiative—model schools for children from disadvantaged backgrounds."

However, a maximum of two children can be admitted to an Atal school from each family whose earning members are registered with the Uttar Pradesh Building and Other Construction Workers Welfare Board (UPBOCW). Children who lost one or both parents during the pandemic will, of course, also be admitted. "Just as there is a Navodaya school in every district of the country, there is an aim to establish an Atal residential school in every district of UP," says Nisha Anant, secretary and CEO, UPBOCW. "If either parent of a child is a construction worker and has been registered continuously for at least three years with UPBOCW, they will be eligible for admission in the 2023-24 academic session. Children who lost parents due to Covid and who are eligible for Mukhyamantri Bal Seva Yojana (Samanya) will be eligible to apply. The age criterion for applicants is 10 to 13 years."

The Atal schools are envisaged as centres oriented towards a "complete

NEW DESKS

- Atal Residential Schools to provide quality education from standards 6 to 12 to marginalised students
- The schools are modelled on the Jawahar Navodaya Vidyalayas; students will also get boarding and lodging, uniforms and provisions
- Being set up in all 18 divisional headquarters of UP; and later in every district
- Children whose parents are registered construction workers or who lost parents in the pandemic are eligible
- UP government has allotted Rs 1,200 crore for the project in the 2023-24 budget

THE AIM IS TO GIVE MERITORIOUS DESTITUTE KIDS A SECURE ZONE OF LEARNING

अटल आवासीय विद्यालय में प्रवेश के लिए परीक्षा देते छात्र। संवाद

अटल आवासीय विद्यालय की परीक्षा में बैठे 308 विद्यार्थी

माई सिटी रिपोर्टर

गाजियाबाद। बुलंदशहर के सिकंदराबाद में अटल आवासीय विद्यालय में प्रवेश के लिए रविवार को परीक्षा आयोजित हुई। परीक्षा में गाजियाबाद, बुलंदशहर, हापुड़, मेरठ, नोएडा और बागपत में हुई मंडल स्तरीय परीक्षा में पंजीकृत कुल 346 में से 308 विद्यार्थी परीक्षा में बैठे।

गाजियाबाद के नंदग्राम स्थित राजकीय इंटर कॉलेज में हुई परीक्षा में 26 परीक्षार्थियों ने भाग लिया।

एडीएम सिटी गंभीर सिंह ने बताया कि अटल आवासीय विद्यालय के लिए हुई परीक्षा शांतिपूर्वक तरीके से संपन्न हो गई। परीक्षा से पहले परीक्षार्थियों को दिशानिर्देश से अवगत कराया गया। परीक्षा के बाद सभी बच्चों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई। गर्मी को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीम, एंबुलेंस और पुलिस बल तैनात रहा।

उप श्रमायुक्त रवि श्रीवास्तव ने बताया कि अटल आवासीय विद्यालय में पढ़ाई सीबीएसई बोर्ड से होगी। भविष्य में कक्षा-छह से 12 तक के 1000 बच्चे एक साथ लाभांवित हो सकेंगे। अभी पहले साल कक्षा-छह में प्रवेश सफल 40 छात्र और 40 छात्राओं को नियमानुसार आरक्षण के साथ दिया जाएगा।

epaper.amarujala.com

पॉलिटेक्निक में चुनौती सीट भरना था क्योंकि वर्ष 2018 से पहले प्रदेश की 154 राजकीय पॉलिटेक्निकों में 28999 सीटें नहीं भरती थीं। अब सीटें 41,071 हो गई हैं। साथ ही अनुदानित संस्थाओं में सीटों की संख्या 9,911 से बढ़ाकर

अटल आवासीय विद्यालय में प्रवेश के लिए 421 छात्रों ने दी परीक्षा

कानपुर। बिल्हौर स्थित रामपुर गांव के अटल आवासीय विद्यालय में दाखिले के लिए रविवार को प्रवेश परीक्षा हुई। विद्यालय में 80 सीटों में कक्षा 6 में 40 सीटें छात्र और 40 छात्राओं के लिए आरक्षित हैं। अपर श्रमायुक्त सरजू राम ने बताया कि मंडल के परीक्षा में 443 छात्रों को शामिल होना था, लेकिन 22 छात्रों ने परीक्षा छोड़ दी। 421 छात्रों ने परीक्षा दी है। कानपुर में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, चुन्नीगंज में 129 छात्रों ने परीक्षा दी। यहां दो छात्र अनुपस्थित रहे। कानपुर देहात में 12, औरैया में एक, फर्रुखाबाद में पांच और कन्नौज में दो छात्र अनुपस्थित रहे। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, चुन्नीगंज में परीक्षा का निरीक्षण श्रमायुक्त डॉ. लोकेश एम ने किया। (संवाद)

फायदे ग
प्राविधिक
परीक्षा परि
घोषणा क
20 जून है

ज्ञान अंजन ग

बच्चे

संवाद न्यूज एजेंसी

कानपुर। गुरु गोबिं
ओर से गर्मी की छु
माह से चल रहे
शिविर' का रविवा
अवसर पर गोविं
कलगीधर सिंह सभ
किया गया। इसमें
प्रतिभाग किया था।
शहर के तीन कें
गुरमुखी लिपी के
इतिहास, दस्तार
एवं सिख मार्शल

नौनिहालों की अच्छी शिक्षा के सपने अब होंगे साकार

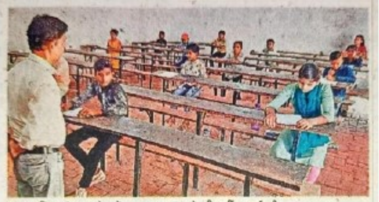

नगर पालिका इंटर कालेज में प्रश्न पत्र हल करते परीक्षार्थी • कर्णधार

जागरण संवाददाता, औरैया: जिले के 35 में से 34 पात्र श्रमिकों के बच्चों ने अटल आवासीय विद्यालय में प्रवेश पाने के लिए परीक्षा में भाग लिया। नगर पालिका इंटर कालेज में निर्धारित समय सुबह 11 से एक बजे तक परीक्षार्थियों को प्रश्न पत्र हल करना था। नोडल मुख्य विकास अधिकारी अनिल कुमार सिंह व श्रम प्रवर्तन अधिकारी रीमा सिंह ने परीक्षार्थियों के माथे पर तिलक कर सफल होने के लिए प्रोत्साहित किया, उनका मनोबल बढ़ाया। श्रम प्रवर्तन अधिकारी ने बताया कि अब उनकी बेहतर व उच्च शिक्षा के सपने साकार हो सकेंगे।

जुलाई माह में शुरू होने वाले प्रथम शिक्षण सत्र में मेरिट के आधार पर चयन किया जाएगा। मंडल स्तर पर 80 छात्र-छात्राओं का प्रवेश लिया जाएगा। परीक्षा केंद्र नगर पालिका इंटर कालेज में बच्चों के स्वास्थ्य सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए चिकित्सकों की टीम में दिबियापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की चिकित्सक डा. शिखा राजपूत व अयाना से डा. पंकज बाबू व फार्मासिस्ट बृजेश सिंह परीक्षा के अंत तक उपस्थित रहे।

पुलिस प्रशासन की टीम भी सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रही। कालेज के प्रधानाचार्य सुनील मिश्रा, श्रम प्रवर्तन अधिकारी प्रदीप कुमार, वरिष्ठ लिपिक संजीव चौहान, पुलकित पुरवार आदि मौजूद रहे।

बस्ती गोरखपुर, रविवार १८ जून २०२३ ८

अटल आवासीय विद्यालय का प्रमुख सचिव ने लिया जायजा

हर्रैया (बस्ती)। परशुरामपुर विकास क्षेत्र के बसेवाराय गांव में बन रहे अटल आवासीय विद्यालय का शनिवार को प्रमुख सचिव श्रम एवं सेवा योजन अनिल कुमार ने औचक निरीक्षण किया। प्रमुख सचिव ने प्रशासनिक भवन, हास्टल, बुक स्टोर रूम, लाइब्रेरी, मेस, मल्टीपरपज हाल, शौचालय आदि का अवलोकन किया। उन्होने दरवाज के ऊपर खाली स्थान में शीशा अथवा जाली लगाने का निर्देश कार्यदायी संस्था को दिया। प्रमुख सचिव ने अधिकारियो को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्राउण्ड एरिया में इंटर लाकिंग कराया जाए जिससे जल भराव न हो। बरसात को देखते हुए परिसर को साफ-सुथरा एवं स्वच्छ रखा जाए। उन्होने परिसर में वृक्षारोपण भी किया। कहा कि परिसर में स्थान चिन्हित कर फलदार वृक्ष लगाए जाएं। उन्होने कहा कि सड़क संबंधी कार्य को भी समय से पूर्ण कर लिया जाए। सुरक्षा के दृष्टिगत सीसीटीवी कैमरा लगाया जाए। समय रहते पानी सप्लायर पाइप आदि की टेस्टिंग करा ली जाए। उन्होने विद्युत संबंधी कार्य को भी अतिशीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया। इस मौके पर मंडलायुक्त अखिलेश सिंह, जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन, पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी, उपश्रमायुक्त शक्तिसेन मौर्या, पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिशासी अभियंता अवधेश कुमार, विद्यालय के प्रधानाचार्य घनश्याम कुमार सहित तमाम लोग मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि जुलाई 2023 से अटल आवासीय विद्यालय में सत्र शुरू होना है। इसके लिए 40-40 छात्र एवं छात्राओं के प्रवेश के लिए परीक्षा संपन्न कराई जा चुकी है। प्रधानाचार्य की तैनाती हो चुकी है। शिक्षक एवं अन्य कर्मचारियों के तैनाती की प्रक्रिया जारी है।

UPFRONT

and healthy intellectual and physical development" of its wards. The objective is to admit children from zones of destitution—Covid orphans, children of marginalised labourers—and, by granting them a secure zone of learning for seven years, create confident minds who can join the mainstream, adds Anant.

Spread over 13 acres and equipped with all essential facilities, an Atal Residential School was constructed in Sithorikala (Mohanlalganj block), Lucknow, at a cost of Rs 70 crore. Selection of students will be through the June 11 entrance test. "The school will start in July with its Class 6 batch, wherein 40 boys and 40 girls will be given admission. The school is equipped with all sorts of labs and smart class facilities. Apart from these, provision of music classes and theatre will also be there," says principal Sukhvir Singh.

Some 750 children from the Lucknow division took the entrance test for the new school. Weeks before the 18 Atal Awasiya (Residential) Schools become operational, their principals convened for a two-day orientation programme at the Captain Manoj Kumar Pandey UP Sainik School in Lucknow. Government sources claim CM Yogi may also interact with the principals soon.

Arvind Chauhan, a construction worker from Lucknow, tells INDIA TODAY that his daughter Shivani wants to become an IPS officer, but her ambition can scarcely be met through his meagre means. Chauhan pins his hopes on the Atal school where his daughter has now been admitted. Anoop Kumar from Ballia district says, "It's very difficult to pay the high fees of convent schools.... My son wants to study in a CBSE school, so for us these schools would be beneficial."

A.P. Tiwari, former dean of academics at Shakuntala Misra University of Lucknow, says, "The Atal Residential Schools being set up by the Yogi government will provide students from marginalised sections an opportunity to get a good education. I do not remember any previous state government starting a similar initiative." ■

18 | INDIA TODAY | JULY 10, 20

"मेरे पास भारत का एक विजन है :
निरक्षरता और अभाव से मुक्त भारत,
भूख और भय से मुक्त भारत।"

श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी

अटल आवासीय विद्यालय समिति मुख्यालय

द्वितीय तल बी ब्लाक, किसान मंडी भवन, विभूति खण्ड,
गोमती नगर लखनऊ–226010

Follow us:

@AtalAwasiya @Atalvidyalaya Atal Awasiya Vidyalaya, Uttar Pradesh